विकल्प

अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए

निजी विश्वविद्यालय

जेम्स डब्ल्यू. वैगनर

सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के बजाय निजी शोध विश्वविद्यालय वित्तीय दृष्टि से ज़्यादा लचीले होते हैं। इसीलिए वे विशेष पाठ्यक्रम संचालित कर पाते हैं।

स्नायु विज्ञान की पढ़ाई कर रही डोरा कास्टानेडा स्टैनफ़र्ड यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में रक्त कोशिकाओं का अध्ययन करती हुईं। यह शोध संस्थान और अस्पताल कैलिफ़ोर्निया में एक निजी विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

पॉल सैंड्मन © ए.पी. डब्ल्यू. डब्ल्यू. यू.

सार्वजनिक विश्वविद्यालय

रॉबर्ट एच. ब्रूइनिंक्स

सार्वजनिक विश्वविद्यालय या स्टेट यूनिवर्सिटी दसियों हज़ार छात्रों को पढ़ने का मौका देते हैं और ये सैकड़ों विषयों में डिग्री प्रदान करते हैं। ये विश्वविद्यालय अमेरिका के प्रमुख शोध विश्वविद्यालयों में से हैं और अक्सर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रमुखता से हिस्सेदारी करते हैं।

स्टेट यूनिवर्सिटी अरिज़ोना विश्वविद्यालय के ये इंजीनियरी छात्र अपने रोबोटिक विमान के नए तरह के खास डिज़ाइन के लिए सम्मानित किए गए।

एलिसट मास्टर © ए.पी. - डब्ल्यू. डब्ल्यू. यू.

सामुदायिक कॉलेज

जॉर्ज आर. बॉग्ज़

दो साल के पाठ्यक्रम वाले सामुदायिक कॉलेज विद्यार्थियों के लिए चार वर्ष के संस्थानों की तुलना में अक्सर कम खर्च पर एक छोटे समुदाय आधारित माहौल में उच्च शिक्षा प्रारंभ करने का अवसर प्रदान करते हैं।

शिक्षा का एक विषय के रूप में अध्ययन कर रही छात्रा स्टेफ़नी क्रगर ओहायो में अपने दो साल के पाठ्यक्रम वाले कॉलेज के परिसर में।

मैथ्यू स्टैंब्रे © ए.पी. - डब्ल्यू. डब्ल्यू. यू.

जॉन वेकार्थ © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

अटलांटा, जॉर्जिया के एमरी विश्वविद्यालय परिसर में इमारत से बाहर नवंबर में एक दिन सुहास श्रीधरन वायरलेस इंटरनेट कनेक्शन के जरिये पढ़ाई करते हुए। एमरी विश्वविद्यालय एशिया में वैश्विक स्वास्थ्य और कारोबारी शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों के लिए विस्तार कार्यक्रम चलाता है।

निजी विश्वविद्यालय

अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली की ताकत में से एक उसकी बड़ी विविधता है। कुछ सौ छात्रों वाले छोटे कॉलेजों से लेकर दसियों हज़ार छात्रों वाले राज्य समर्थित विश्वविद्यालयों तक, व्यावसायिक शिक्षा के दो साल के पाठ्यक्रम चलाने वाले सामुदायिक कॉलेजों से लेकर निजी स्तर पर वित्तपोषित शोध विश्वविद्यालयों तक, अमेरिकी उच्च शिक्षा विभिन्न स्तरों पर आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। शिक्षण संस्थान का चुनाव करते हुए छात्रों को संभावित कॅरिअर लक्ष्यों, वित्तीय सीमाओं और भौगोलिक परिस्थितियों की ओर भी ध्यान देना होता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उन्हें विचार करना होता कि मैं कौन सा विषय पढ़ना चाहती हूं, क्या काम कराना चाहती हूं, मैं कितना पैसा खर्च कर पाऊं गी, और क्या मैं घर से दूर जाना चाहूंगी? अंततः बात यहां आकर टिकती है कि कौन सा संस्थान छात्र की अपेक्षाओं पर किस हद तक खरा उतरता है।

अमेरिका के 100 सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से 92 सार्वजनिक या 'राज्य से सहायता प्राप्त' (संघीय सरकार से नहीं, 50 राज्यों में से किसी एक से सहायता प्राप्त) हैं, और देश के 77 प्रतिशत कॉलेज छात्र सार्वजनिक संस्थानों में शिक्षा पाते हैं। इसके बावजूद देश के शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों की सूची में पहले 25 स्थानों में से तीन-चार को छोड़कर, सभी पर निजी विश्वविद्यालयों का कब्जा है। इससे पता चलता है कि अमेरिका और संसारभर में 'निजी विश्वविद्यालय' क्या हैं और ये संस्थान लोगों को इतना आकर्षित क्यों करते हैं?

निजी शोध विश्वविद्यालय व्यावसायिक प्रशिक्षण (जैसे कानून, चिकित्सा और इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में) और साथ ही पीएच.डी. तक की शिक्षा उपलब्ध करवाते हैं। शिक्षक पढ़ाने के साथ-साथ अपना काफी समय शोधकार्य में भी लगाते हैं। असल में इन संस्थानों में शिक्षकों को विद्वता, शोध और अध्यापन की गुणवत्ता के आधर पर ही वेतन और पदोन्नति मिलती है। लेकिन सार्वजनिक विश्वविद्यालय भी प्रशिक्षण और पीएच.डी. तक शिक्षा देते हैं। विद्वता और शोध पर जोर वहां भी रहता है। सवाल यह है कि निजी शोध विश्वविद्यालय अलग किन मायनों में हैं?

निजी शोध विश्वविद्यालयों की एक विशेषता है उनका अधिक वित्तीय लचीलापन। वह धन के लिए राज्यों की विधानसभाओं पर निर्भर नहीं रहते बल्कि पूर्व छात्रों, धर्मार्थ न्यासों और वैज्ञानिक और अन्य संगठनों पर निर्भर रहते हैं जो कार्यक्रमों, छात्रवृत्तियों, इमारतों और प्रोफ़ेसरशिप को प्रायोजित करते हैं। वित्तपोषण के ये स्रोत हालांकि सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में भी बढ़ रहे हैं परंतु ये निजी शोध विश्वविद्यालयों के लिए अधिक लचीला होना और नितान्त नई दिशाओं में बढ़ पाना सम्भव बनाते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि छात्र ऐसे क्षेत्रों का भी अध्ययन कर पाते हैं जिन्हें और कहीं प्रोत्साहन नहीं मिल पाता।

सार्वजनिक संसाधनों पर निर्भर न रहने के कारण सार्वजनिक विश्वविद्यालय अन्य देशों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज़ करवा पाते हैं। उदाहरण के लिए जॉर्जिया के नागरिकों को यह बात खास पसंद नहीं आएगी कि उनके द्वारा चुकाई जा रही कर राशि से लदंन में कोई अध्ययन केंद्र स्थापित किया जाए, लेकिन निजी वित्त व्यवस्था वाली एमॅरी यूनिवर्सिटी ऐसा अध्ययन केंद्र स्थापित करे तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। साधारण रूप से, शोध, सेवा और अध्यापन के अंतरराष्ट्रीय दरवाजे खोलना निजी शोध विश्वविद्यालय के लिए ज़्यादा आसान है। उदाहरण के लिए वैश्विक स्वास्थ्य के एमॅरी यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम पूरे अफ्रीका, कॉकेशस क्षेत्र और एशिया में और बिज़नेस स्टडीज़ कार्यक्रम पूरे यूरोप और एशिया में चल रहे हैं। ऐसी गतिविधियां अमेरिका छात्रों और प्रोफ़ेसरों के लिए अमेरिका या दूसरे देशों में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं से जुड़ पाना सम्भव बनाती हैं।

अधिकांश शोध विश्वविद्यालय सार्वजनिक विश्वविद्यालय से कुछ छोटे होने के कारण संसाधनों की दृष्टि से संपन्न होते हैं। यूं तो हमारे देश के किसी भी अच्छे सार्वजनिक या निजी शोध विश्वविद्यालयों में शिक्षा और शोध के अवसर सहजता से उपलब्ध हैं, लेकिन निजी परिसरों के छोटे होने के कारण विभिन्न विषयों के विद्वानों के लिए एक-दूसरे से मिलना-जुलना, विचार-विमर्श आसान होता है क्योंकि उनके विभाग पास-पास ही होते हैं। आज जब सबसे महत्वपूर्ण खोज सीमाओं के परे जाकर सहयोग के कारण संभव हो पा रही हैं, तब परिसर की सीमाओं और संसार के सुदूर छोरों तक सहयोग बनाए रख पाने की निजी शोध विश्वविद्यालय की क्षमता ही शायद उनका सबसे बड़ा आकर्षण है।

***जेम्स डब्ल्यू. वैगनर** एटलांटा, जॉर्जिया स्थित एमॅरी यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष हैं।*